

संपादकीय

पाक का खूनी खेल

बेशक सीमा सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट विनय प्रसाद की मौत के बाद जवाबी कार्रवाई में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पाक की दो चौकियां तबाह करके तीन रेंजरों को मार गिराया, तथापि इससे पाक के मंसूबों का भान तो होता ही है। सरदृष्ट पर पाक गोलीबारी का गत दिवस शिकार हुए सीमा सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट की मौत अभी तक अनसुलझे दोतरफा रिश्तों की कलई खोलती है। प्रसाद पर दिनदहाड़े साइपर से उस समय गोली चलाई गई जब वह अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त कर रहे थे। उस समय दिन के 11 बजे थे। दिन की रोशनी में किसी भी तरह की गलतफहमी का भी सवाल नहीं और फिर यह तो अंतर्राष्ट्रीय सीमा थी, कोई एलओसी नहीं, जहां जिसे देखो गोली मार दो। वैसे भी आइपर से जिस तरह निर्ममता से गोलियां चलाई, उससे साबित होता है कि सरदृष्ट पर हिंसा की वारदातों में पहले के मुकाबले इजाफा हुआ है। हालांकि, पाक के प्रधानमंत्री इमरान खान शांति मंत्र का जाप करते नहीं थकते। अभी कुछेक माह पहले करतारपुर कॉर्डोरे के ऊद्धाटन समारोह पर सीमा पर गए एक भारतीय मंत्री के दौरे को पाक के विदेश मंत्री ने इमरान की गुणीता करार दिया था।

उल्लेखनीय है कि इस समारोह में पाक सेनाध्यक्ष की मौजूदगी इस बात का संकेत थी कि सेना और नागरिक सरकार एक ही थैली के छह-बड़े हैं। दरअसल, अतीत में भी पठानकोट तथा उड़ी में हुए हमलों से तो यही लगता है कि वहां की सेना नहीं चाही दिया कि पाक का जेतूत भारत के साथ दिशे सुधारने की पहल करे। अब जब पाक के प्रधानमंत्री और सेना के बीच बेहतर तालमेल है तो कोशिश हो कि सीमा पर उक्साने वाली हरकतों पर पर रोक लगे। गत सितंबर माह में इसी इलाके में एक भारतीय यात्रा की विहृत लाश बारामद की गयी थी, वह भी तब जब दुर्बुल में आयोजित भारत-पाक क्रिकेट मैच समारोह में इमरान खान शिरकत करने वाले थे। यह विश्वस्थापन का वैसा ही कृत्य था जैसा नवाज शरीफ के तरफ हुआ था। ऐसी एप्रोच मसले हल करने को लेकर किए जा रहे पाक के प्रयासों के बारे में शक-शुब्द हाल पैदा करती है।

22 जनवरी को एक दूसरे से सिर्फ 2 दिनों की दूरी पर नजर आएंगे शुक्र और बृहस्पति

शुक्र जिसे अंग्रेजी में बीनस यानि सुंदरता की देवी कहा जाता है। यह वृषभ व तुला राशियों ज्योतिष में इसे स्त्री ग्रह भी माना जाता है। यह वृषभ व तुला राशियों



के स्वामी हैं और इन्हें दैत्यगुरु भी माना जाता है। यह 22 जनवरी मंगलवार को तड़के देवताओं के गुरु और सौरमंडल के सबसे विशाल ग्रह बृहस्पति के साथ अनोखे संयोग में नजर आएंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो देव और दैत्य गुरु का यह दुर्लभ संयोग होता है। यह साल 2019 की एक अन्य खोलतीय घटनाओं में से एक होगा। 22 जनवरी की भोज में आसमान में एक दूसरे के बेहतरीन ग्रहोंगे। खगोलशास्त्रियों के मुताबिक यह दोनों ग्रह एक दूसरे से सिर्फ 2 दिनों की दूरी पर नजर आएंगे। इससे एक दिन पहले ही यानी 21 जनवरी को दुनिया के कुछ हिस्सों में पूर्ण चंद्र ग्रहण का नजारा देखने को मिलेगा। सिर्फ इतना ही नहीं 30 जनवरी की भोज में भी एक और और संयोग के साथ लोगों की आखें खलेंगी।

इसमें शुक्र और बृहस्पति के साथ चंद्रमा भी कीरी बा आ जाएगा। 31 जनवरी की रात तक यह तीनों आकाशीय पिंड एक साथ आ जाएंगे। चंद्रमा की शुक्र ग्रह से दूरी 2 दिनों नजर आएंगी।

ऐसे बनाइए पनीर भूजी



पनीर मसाला, मलाई पनीर या फिर पनीर की गेहूं वाली सब्जी तो बनाना आता होगा। आज बनाना सीखिए पनीर भूजी। यह झटकेट बन जाएगी और स्वाद भी मजेदार लगेगा।

रेसिपी विवरी: इड़ीयन
कितने लोगों के लिए : 1 - 2
समय : 5 से 15 मिनट
गील टाइप : वेज
आवश्यक सामग्री
पनीर 200 ग्राम
जीरा 1/4 छोटा चम्मच
हरी मिर्च 2 बारीक काट लें
प्याज एक बारीक काट लें
तेल 1 बड़ा चम्मच
लहसुन की कलियां 3-4 काट लें हन्दी
एक चौथाई छोटा चम्मच
स्वादानुसार नमक
धनियापत्ती
मैसी मसाला 1 छोटा चम्मच
एक पैन/
विधि- - मीडियम आंच पर पैन रखें।
- जब यह गर्म हो जाए तो इसमें तेल
डालें।
- तेल गर्म होने के बाद इसमें जीरा डालकर तड़काएं।
- जीरा तड़काएं के बाद इसमें मिर्च, लहसुन, प्याज डालकर 3-4 मिनट तक चलाते हुए भूजें।
- अब इसमें पनीर को मैसी करके डालें। चलाते हुए पकाएं।
- फिर मुँहों में नमक, मैसी मसाला और हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक और पकाएं।
- आंच बंद करके ऊपर से धनियापत्ती डाल दें।
- तैयार है पनीर भूजी।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की रैंकिंग में ब्रिटेन को पछाड़ सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत 2019 में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की सूची में ब्रिटेन को पीछे छोड़ सकता है। वैश्विक सलाहकार कंपनी पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ही स्तर के विकास और कमोबेश समान आबादी की वजह से इस सूची में ब्रिटेन और फ्रांस आगे पीछे होते रहते हैं। लेकिन यदि भारत इस सूची में आगे निकलता है तो उसका स्थान स्थान रहेगा।

तीव्र विकास दर से मिलेगी मदद पीडब्ल्यूसी की वैश्विक अर्थव्यवस्था



निगरानी रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2019 में ब्रिटेन की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत, फ्रांस की 1.7 प्रतिशत तथा भारत की 7.6 प्रतिशत

रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और फ्रांस 2019 में ब्रिटेन को पीछे छोड़ देंगे। इससे वैश्विक रैंकिंग में ब्रिटेन पांचवें स्थान से फिसलकर सातवें पायदान पर पहुंच जाएगा। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2017 में फ्रांस को पीडब्ल्यूसी ने कहा- भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। जल्द भारत के ब्रिटेन को पीछे छोड़ने की उम्मीद है जो पांचवें स्थान पर है। उम्मीद आबादी, अनुकूल जनसांख्यिकीय तथा प्रति व्यक्ति जीडीपी के निचले सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था। उसके फ्रांस को पीछे छोड़ा था। फ्रांस की जीडीपी 2,580 अरब डॉलर था।

भारत 7.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की ओर लौटेगा।

माइक जैकमैन (वरिष्ठ अर्थव्यवस्थी, पीडब्ल्यूसी) ने कहा- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़नी बड़ी अर्थव्यवस्था है। बड़ी आबादी, अनुकूल जनसांख्यिकीय तथा प्रति व्यक्ति जीडीपी के निचले स्तर की वजह से उसकी तेजी से पकड़ने की क्षमता भी अधिक है।

पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि 2019 में सुन्तर होगी। रिपोर्ट में

कहा गया है कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की

वृद्धि दर 2016 के अंत तथा 2018 के बीच में जो

रपतार पकड़ी थी अब वह पूरी ही चुकी है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2,590 अरब डॉलर के बाबर के जीडीपी के साथ दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था। उसके फ्रांस को पीछे छोड़ा था।

कुल आय में कर सकते हैं।

आप कितनी अवधि तक

निवेश चाहते हैं और लक्ष्य

टैक्स में छूट के लिए इनवेस्टमेंट में न दिखाएं जल्दबाजी

कुल आय में कर सकते हैं।

केंद्रीय वर्ष के अधिकारी महीनों के आते ही सभी वेतनभोगी टैक्स

बचाने के लिए नए

निवेश की जुगत में लग जाते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि नए निवेश को लेकर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

अगर आप सिर्फ टैक्स बचाने की

आपाधीयों में कोई भी योजना

चुनते हैं तो इससे आपका गाढ़ी कार्माइ फैसले करने की तैयारी हो जाती है। ऐसे में सबसे पहले आकलन करें कि आप कितनी बचत आप

किंवदं निवेश चाहते हैं।

क्या है अंत में यह तय करें कि सुरक्षित निवेश के तहत परंपरागत स्कीमों या बाजार में जोखिम से पहले आकलन करें।

क्या है अंत में यह तय करें कि सुरक्षित निवेश के तहत परंपरागत स्कीमों या बाजार में जोखिम से पहले आकलन करें।

में जीडीपी के साथ संबंधित है। उन्होंने बताया कि रोहित ने 39 फीसदी के अनुसार बड़ी

दिन अप्रैल के अंत तक होता जा रहा है,

इस बात को हमें अक्सर

सुना है लेकिन

एक रिपोर्ट की